1. राहुल सांकृत्यायन का जन्म कब हुआ था?
   A. 1890
   B. 1893
   C. 1896
   D. 1900 (B)

*व्याख्या :* राहुल सांकृत्यायन का जन्म 1893 में हुआ था।

2. 'ल्हासा की ओर' की यात्रा मुख्य रूप से किस रास्ते से होती थी?
   A. कलकत्ता से
   B. नेपाल से
   C. लद्दाख से
   D. सिक्किम से (B)

*व्याख्या :* तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता नेपाल से होकर जाता था।

3. नेपाल से तिब्बत जाने वाला रास्ता कैसा था?
   A. केवल व्यापारिक
   B. केवल धार्मिक
   C. व्यापारिक और सैनिक दोनों
   D. केवल सांस्कृतिक (C)

*व्याख्या :* यह रास्ता व्यापारिक ही नहीं बल्कि सैनिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण था।

4. तिब्बत में यात्रियों के लिए कौन-सी सुविधा थी?
   A. बहुत से सराय बने हुए थे
   B. जाति-पाँति और छुआछूत का प्रश्न नहीं था
   C. यात्रियों को सरकारी मदद मिलती थी
   D. विशेष वाहन उपलब्ध थे (B)

*व्याख्या :* वहाँ जाति-पाँति और छुआछूत का सवाल नहीं था, यात्रियों को यह सुविधा थी।

5. तिब्बत में महिलाएँ किस सामाजिक प्रथा से मुक्त थीं?
   A. पर्दा प्रथा से
   B. विवाह से
   C. घर के कामों से
   D. शिक्षा से (A)

*व्याख्या :* वहाँ औरतें पर्दा नहीं करती थीं।

6. तिब्बत में चाय बनाने के लिए कौन-सी वस्तुएँ मिलाई जाती थीं?
   A. दूध और इलायची
   B. मक्खन, सोडा-नमक और चोडी
   C. चीनी और अदरक
   D. दही और गुड़ (B)

*व्याख्या :* तिब्बती चाय मक्खन, सोडा-नमक और चोडी से बनाई जाती थी।

7. थोङ् ला किसे कहा गया है?
   A. नेपाल का एक किला
   B. तिब्बत की सीमा का एक स्थान
   C. एक गाँव
   D. एक नदी (B)

*व्याख्या :* थोङ् ला तिब्बत की सीमा पर स्थित एक स्थान है।

8. लेखक ने राहदारी (लिखित अनुमति) किसके माध्यम से प्राप्त की?
   A. सीधे पोन् से
   B. नेपाली व्यापारी से
   C. अपने मंगोल मित्र के माध्यम से
   D. सैनिकों से (C)

*व्याख्या :* लेखक ने राहदारी अपने मंगोल मित्र के माध्यम से प्राप्त की।

9. पाँच साल बाद जब लेखक उसी रास्ते लौटे तो उनका वेश कैसा था?
   A. साधु का वेश B. भिखमंगे का रूप
   C. भद्र यात्री का वेश D. सैनिक वेश (C)

*व्याख्या :* पाँच साल बाद लौटते समय लेखक भद्र यात्री के वेश में थे।

10. दूसरी यात्रा के समय लेखक को ठहरने के लिए कहाँ जगह मिली?
    A. आलीशान सराय में
    B. गाँव के सबसे गरीब झोपड़े में
    C. सरकारी विश्रामगृह में
    D. सुमति के घर में (B)

*व्याख्या :* दूसरी यात्रा के समय लेखक को ठहरने के लिए गाँव के सबसे गरीब झोपड़े में जगह मिली।